हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार 20 जुलाई 2026

11 किसानों का बिगुलः 22 को करेंगे सांसद आवास घेराव...

12 जाखल में ग्रामीणों के इनपुट पर पुलिस अलर्ट...

खबर संक्षेप

पुलिस ने हेरोइन तस्कर को किया गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने गांव बीरूवाला गुढ़ा क्षेत्र से एक युवक को 8 ग्राम 91 मिलीग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए सिरसा प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम गश्त एवं चैकिंग के दौरान बप्पां रोड बीरुवाला गुढ़ा क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान सामने से एक युवक पैदल आता दिखाई दिया। पुलिस की गाड़ी को देखकर युवक अचानक वहां से फरार होने की कोशिश करने लगा जिस पर पुलिस टीम ने शक के आधार पर उसे रोककर पूछताछ की।

अवैध पिस्तौल व कारतूस सहित युवक दबोचा

फतेहाबाद। सीआईए टोहाना पुलिस टीम ने धारसूल खुर्द-इन्दाछुई चौक के पास से पंजाब के एक युवक को अवैध पिस्तौल और जिंदा कारतूस के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान गांव कुलरिया, जिला मानसा, पंजाब निवासी अवतार सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आम्र्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बदमाश को हथियार सप्लाई करने वाला काबू

फतेहाबाद। थाना जाखल पुलिस ने आम्र्स एक्ट के एक चर्चित मामले में गहनता से जांच करते हुए एक और युवक को काबू किया है। पुलिस टीम ने इस मामले में संलिप्त आरोपी रवि कुमार निवासी गांव कुलरियां, थाना बरेटा, जिला मानसा को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में मुख्य आरोपी को पुलिस पहले ही सलाखों के पीछे भेज चुकी है। जाखल थाना प्रभारी उपनिरीक्षक संजय कुमार ने बताया कि गत 10 जुलाई को सीआईए टोहाना की टीम ने तलवाड़ा-पंजाब फाटक रोड पर घेराबंदी कर इनामी व हत्या के मामले में फरार चल रहे शातिर अपराधी सिकंदर निवासी रत्ताथेह, जाखल को काबू किया था।

सुरक्षा को लेकर फतेहाबाद पुलिस अलर्ट

फतेहाबाद। जिले में सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाए रखने और आमजन, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से फतेहाबाद पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गई है। एसपी निकिता खट्टर के कड़े दिशा-निर्देशन में सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों के सार्वजनिक स्थानों, पार्कों और सुनसान क्षेत्रों में विशेष निगरानी अभियान चलाने के आदेश दिए गए हैं।

सीआईए रतिया ने भाखड़ा नहर पुल के पास घेराबंदी

फतेहाबाद। सीआईए रतिया पुलिस टीम ने गांव बलियाला से नंगल रोड पर भाखड़ा नहर पुल के पास से एक युवक को अवैध पिस्तौल और जिंदा कारतूस के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान गांव नंगल निवासी होशियार उर्फ डुगा उर्फ हंटर पुत्र सतपाल सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आम्र्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जुलाई में मानसून रूठा, उमस और धूप से लोग वहीं खेतों में मुरझाती धान से किसान परेशान

220 केवी सब स्टेशन में केबल बॉक्स डैमेज, शहर की बिजली गुल, जुलाई में चार गुणा बढ़ी डिमांड

निगम की चिंता बढ़ी
बारिश नहीं हुई तो और बढ़ेगा संकट

2 से 3 घंटे में हुई मरम्मत फिर बहाल हुई बिजली

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

भीषण गर्मी व बारिश न होने से फतेहाबाद विद्युत निगम बेहाल हो गया है। रविवार को बिजली की बढ़ती मांग से ओवरलोड हुए सिस्टम के चलते 220 केवी में केबल बॉक्स डैमेज हो गया, जिस कारण 33 हजार केवी की लाइन बैठ गई और पूरे शहर की बिजली आपूर्ति ठप्प हो गई। बिजली सप्लाई बंद होने से हा-हाकार मच गया। 39 डिग्री तापमान व उमस से लोगों की सांसें ऊपर-नीचे होने लगी। दरअसल इसी केबल बॉक्स से 220 केवी में बिजली सप्लाई होती है। इस बार मानसून की बारिश न होने से बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है। धान की बिजाई में किसान 70 प्रतिशत बिजली खर्च कर रहे हैं। उमस व पसीने से बेहाल लोग जीवन बसर करने के लिए बिजली पर ही निर्भर हैं। रविवार को दोपहर करीब एक बजे 220 केवी बिजली घर में 33 केवी सिटी फतेहाबाद की मेन लाइन ठप्प हो गई। कारण था 220 केवी बिजली घर में केबल बॉक्स का डैमेज होना। इसी केबल बॉक्स से 220 केवी व 33केवी में बिजली सप्लाई होती है। 33 केवी भट्टू रोड से पूरे शहर की बिजली सप्लाई होती है। केबल डैमेज को ठीक करने में 2 से 3 घंटे लगे। बता दें कि इससे पूर्व 33 केवी में ही एच पोल का बक्सा फट जाने के कारण हिसार रोड फीडर की दो घंटे सप्लाई बंद रही। अप्रैल से अब तक 4 गुणा डिमांड बढ़ गई है।

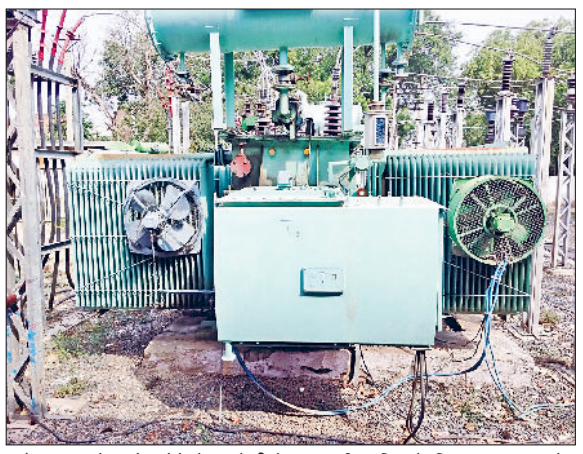

फतेहाबाद। ओवरलोड होने से 33 केवी में ट्रांसफार्मर कूलिंग के लिए लगाए गए पंखे।

अलग खबर

बढ़ती डिमांड से हो रहे फाल्ट

बारिश न होने से बिजली की डिमांड बढ़ती है। ऐसे में स्पार्किंग व ट्रांसफार्मर में फाल्ट आ जाता है। तेज हवा चलने पर बिजली सप्लाई बंद करनी पड़ती है। जब तक नियमित बारिश नहीं होती, बिजली खपत कम नहीं हो सकती।

अप्रैल के मुकाबले चार गुणा बढ़ी डिमांड

विद्युत निगम के फतेहाबाद सर्कल में टोहाना व फतेहाबाद दो डिवीजन पड़ते हैं। बिजली निगम के औपचारिक आंकड़ों की माने तो यहां अप्रैल के मुकाबले जुलाई में बिजली की डिमांड 4 गुणा से अधिक बढ़ चुकी है। इसी साल अप्रैल में जहां जिले में बिजली की कुल डिमांड 12 करोड़ यूनिट थी जोकि जुलाई में बढक़र 46 करोड़ यूनिट तक के आंकड़े को पार कर सकती है। बिजली निगम के अधिकारियों की चिंता भी इसी कारण बढ़ रही है कि अगर बारिश नहीं हुई तो जुलाई माह में बिजली की खपत बढ़कर एक करोड़ 53 लाख यूनिट से ऊपर गई तो इतनी बिजली का इंतजाम करना निगम के लिए मुश्किलभरा हो सकता है।

फतेहाबाद। बिजली घर में ओवरलोड दिखाती मशीनें। फोटो: हरिभूमि

शिकायत केन्द्र पर कोई सुनने वाला नहीं

मेनपावर के हिसाब से निगम पहले ही कमजोर है। हालांकि निगम की मेनपॉवर में इजाफा हुआ है लेकिन बढ़ती शहरी क्षेत्र को देखते हुए यह अभी भी अपर्याप्त है। कर्मचारी दिन-रात ट्रिपिंग होने व बार-बार ट्रांसफार्मर उडऩे की समस्या के समाधान में लगे हैं। यही स्थिति रही तो अगले महीने खासतौर पर रात के समय घरों में पूरी रात एसी चलेंगे। ऐसे में लोड बढ़ते ही ट्रांसफार्मर जलने की घटनाएं भी बढ़ेंगी। कम मेनपावर समस्या को ओर बढ़ाने का काम करेंगे। सबसे बड़ी बात यह है कि भट्टू रोड स्थित 33 केवी सब स्टेशन के शिकायत केन्द्र पर तैनात कर्मचारी ठेके पर हैं। शहर में कट लगने पर फोन उठाये या ना उठाये, ये उनकी मर्जी पर निर्भर करता है। शिकायत केन्द्र का नंबर लगातार बजता रहता है, उठाने वाला कोई कर्मचारी नहीं होता।

एक करोड़ 53 लाख यूनिट प्रतिदिन तक पहुंची डिमांड

मानसून के बाद फतेहाबाद में अभी तक बरसात नहीं हुई, जिसका सीधा असर जिले में बिजली आपूर्ति पर पड़ा है। जुलाई में बिजली आपूर्ति की डिमांड एकदम से अप्रैल के मुकाबले 4 गुणा तक बढ़ गई, जिसको पूरा करने में विद्युत निगम को पसीने आ रहे है। गांवों को तो छोडिये, शहरों मे भी बिजली आपूर्ति के अघोषित कट लगाने पड़ रहे है। रात के समय तो हालात और भी बदतर हो जाते हैं। अनेक एरिया में रात के समय बिजली निगम को मजबूरन कम वोल्टेज में बिजली सप्लाई करनी पड़ रही है। अगर जल्द ही अच्छी और नियमित बरसात न हुई तो आने वाले दिन बिजली आपूर्ति के लिहाज से परेशानी भरे हो सकते हैं। यहां मानसून ने ऐसी बेरूखी दिखाई कि बादलों ने यहां झांककर नहीं देखा। इसके बाद शुरू हुआ उमस और पसीने का खेल। मौसम विभाग की माने तो यहां अब तक सामान्य से 70 फीसदी बारिश कम हुई है। बता दें कि फतेहाबाद में बीते 11 वर्षों में एकाध वर्ष को छोडक़र पूरे मानसून में सामान्य से आधी बारिश होती है। फतेहाबाद सर्कल में प्रतिदिन की बात की जाए तो अप्रैल में 40 लाख बिजली यूनिट की डिमांड थी जो जुलाई में बढक़र एक करोड़ 53 लाख 95 हजार यूनिट प्रतिदिन पर जा पहुंची। इसकी पुष्टि खुद निगम के कार्यकारी अभियंता करते हैं। जिले में कम बारिश के चलते बिजली की डिमांड एकदम से काफी बढ़ गई है, जिस कारण बिजली आपूर्ति में परेशानी आ रही है। फतेहाबाद डिवीजन में फतेहाबाद शहर, रतिया शहर, बड़ोपल व भट्टूकलां पड़ते हैं।

बिजली में सुधार न हुआ तो आगे बढ़ेगी परेशानी

बिजली की डिमांड के मुताबिक बिजली सप्लाई करने में बिजली निगम को अभी से पसीने आ रहे है। जुलाई माह के 12 दिन अभी शेष बचे है। अगस्त और सितम्बर में भी उमस की मार कम नहीं पडऩे वाली। इस भयावह हालात में बारिश नहीं हुई तो बिजली की डिमांड सारे रिकार्ड तोड़ सकती है। दरअसल उमस भरा मौसम शुरू होते ही एसी, कूलर का लोड बढ़ जाता है, जिसका सीधा असर बिजली निगम के पुराने इन्फ्रास्ट्रक्चर पर पड़ता है। पुरानी केबल और ट्रांसफार्मर अत्याधिक लोड सह नहीं पाते और बार-बार ट्रिपिंग होती है।

विशेष लोक अदालत में 100 मामले निपटाए

- फतेहाबाद, रतिया और टोहाना की न्यायिक परिसर में 288 मामलों की हुई सुनवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुपालन में फतेहाबाद, रतिया और टोहाना की न्यायिक परिसर में चेक बाउंस मामलों के लिए विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। यह विशेष लोक अदालत जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दीपक अग्रवाल के आदेशानुसार आयोजित की गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी डॉ. सुयशा जावा ने इस बारे जानकारी देते हुए बताया कि इस विशेष लोक अदालत में मुख्य रूप से चेक बाउंस से जुड़े मामलों का आपसी समझौते के आधार पर निपटारा किया गया। विभिन्न अदालतों में लंबित कुल 288 मामलों को सुनवाई के लिए रखा गया था, जिनमें से 100 मामलों में दोनों पक्षों की आपसी सहमति से मौके पर ही निपटारा कर दिया गया।

फतेहाबाद। विशेष लोक अदालत में मामलों की सुनवाई करते न्यायाधीश।

महत्व पर डाला प्रकाश

सीजेएम ने लोक अदालत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विशेष लोक अदालत के माध्यम से मामलों का निपटारा होने से समय, धन और ऊर्जा तीनों की बचत होती है। इसके अलावा, आपसी विवाद बिना किसी अनावश्यक देरी के हमेशा के लिए समाप्त हो जाते हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि लोक अदालत का फैसला अंतिम होता है और यह सभी पक्षों पर समान रूप से मान्य होता है।

वांगचुक की गिरफ्तारी पर भड़के युवा

- केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

नीट परीक्षा में सामने आई कथित अनियमितताओं और दिल्ली में पर्यावरणविद सोनम वांगचुक पर हुई पुलिसिया कार्रवाई के खिलाफ गांव भूथन कलां में भारत की जनवादी नौजवान सभा के बैनर तले युवाओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन दिल्ली के जंतर-मंतर पर न्याय की गुहार लगा रहे छात्रों के आंदोलन के समर्थन में किया गया। आक्रोशित नौजवानों और छात्रों ने स्थानीय नीमवाला चौक पर एकत्रित होकर केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पुतला दहन कर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया। युवाओं ने आरोप लगाया कि नीट जैसी देश की सबसे बड़ी परीक्षाओं में बार-बार हो रही धांधलियां लाखों होनहार छात्रों के भविष्य के साथ सीधे तौर पर खिलवाड़ हैं।

फतेहाबाद। गांव भूथनकलां में शिक्षामंत्री का पुतला फूंकते ग्रामीण। फोटो: हरिभूमि

65 वर्षीय व्यक्ति ने भाखड़ा नहर में लगाई छलांग

हरिभूमि न्यूज ⏭भूना

गांव जांडली खुर्द के 65 वर्षीय बलवीर सिंह के शनिवार शाम गोरखपुर गांव के पास भाखड़ा नहर में कूदने के बाद रविवार को भी उनका कोई सुराग नहीं लग पाया। घटना के बाद गांव में चिंता का माहौल है। पुलिस के साथ-साथ सैकड़ों ग्रामीण अपने स्तर पर लगातार तलाश अभियान चला रहे हैं। जानकारी के अनुसार गांव जांडली खुर्द निवासी बलवीर सिंह पुत्र हरफूल सिंह पिछले कुछ समय से मानसिक तनाव से जूझ रहे थे और उनका उपचार भी चल रहा था। शनिवार शाम वह गोरखपुर के पास भाखड़ा नहर पर पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार उन्होंने अचानक नहर में छलांग लगा दी।

बलवीर सिंह की फाइल फोटो

भूना। भाखड़ा नहर में ट्रैक्टर-ट्रॉली व अन्य संसाधनों की मदद से चलाया गया खोज अभियान। फोटो: हरिभूमि

प्रतिबंधित गोलियों सहित आरोपी पकड़ा

- गश्त के दौरान गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सीआईए सिरसा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए डिंग मंडी निवासी एक युवक को 8100 नशीली गोलियां और कैप्सूल के साथ गिरफ्तार किया है। सीआईए प्रभारी निरीक्षक रविंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस टीम गश्त व संदिग्ध व्यक्तियों की जांच कर रही थी। इसी दौरान गुप्त सूचना के आधार पर कीर्तिनगर स्थित शांति नगर गली नंबर-2 में दबिश देकर एक युवक संदिग्ध अवस्था में खड़ा मिला। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 25 डिब्बों में रखी टेपेंटाडोल की गोलियां तथा दो डिब्बों में सिग्नोर कैप्सूल बरामद हुए। कुल मिलाकर 8100 नशीली गोलियां व कैप्सूल जब्त किए गए। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अमनदीप पुत्र साहब दयाल निवासी डिंग मंडी, थाना डिंग के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी इन नशीली दवाओं को बेचने की फिराक में था। सीआईए सिरसा पुलिस ने आरोपी युवक को आगामी कार्रवाई के लिए नशीली दवाइयां सहित औषधि नियंत्रक विभाग के अधिकारी डीसीओ सुनील कुमार के वाले कर दिया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि नशीली दवाओं की खेप उसे कहां से मिली और इसे किन लोगों तक पहुंचाया जाना था।

सिरसा। नशीली दवाओं के साथ पकड़ा गया आरोपी। फोटो: हरिभूमि

फर्जी प्लॉट एग्रीमेंट बनाकर 8 लाख ठगे, आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फर्जी प्लॉट एग्रीमेंट तैयार कर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में फतेहाबाद पुलिस की इकोनॉमिक सेल को एक और सफलता मिली है। पुलिस टीम ने इस मामले में शामिल एक अन्य आरोपी जगमोहन अग्रवाल निवासी चंदन नगर, बालसमंद रोड, हिसार को गिरफ्तार कर लिया है। इस चर्चित मामले में मुख्य आरोपी को पुलिस पहले ही सलाखों के पीछे भेज चुकी है। इकोनॉमिक सेल फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक जसवंत सिंह ने बताया कि गांव भिरड़ाना निवासी संत कुमार ने पुलिस को शिकायत दी थी। शिकायत के मुताबिक, वर्ष 2021 में कुछ प्रॉपर्टी डीलरों ने उसे एक प्लॉट दिखाने के बाद सौदा तय किया था। इसके बाद आरोपियों ने एक फर्जी इकरारनामा तैयार कर संत कुमार से 8 लाख 28 हजार 855 रुपये की मोटी रकम हड़प ली।

धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार आरोपी।

दस माह बाद गोरखपुर में मिले लापता दो बच्चे

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

दस माह पहले घर से लापता हुए दो बच्चों को पुलिस ने उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से सकुशल बरामद कर परिवार की खुशियां लौटा दीं। जानकारी के अनुसार गांव कालांवाली के 10 वर्षीय अरमान और 7 वर्षीय जान 31 अगस्त 2025 को घर से लापता हो गए थे। दोनों बच्चे ट्रेन में सवार होकर गोरखपुर पहुंच गए थे। गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर दोनों बच्चे लावारिस अवस्था में मिले, जिसके बाद रेलवे सुरक्षा बल ने उन्हें अपने संरक्षण में लिया और आगे रेलवे चाइल्ड हेल्प डेस्क को सौंप दिया। वहां से दोनों बच्चों को न्यायपीठ बाल कल्याण समिति, गोरखपुर के समक्ष पेश किया गया, जिसके निर्देश पर उनकी देखभाल की व्यवस्था की गई। इसके अलावा मामले की जांच के दौरान कालांवाली पुलिस चौकी प्रभारी चंदन सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने लगातार प्रयास किए।

12 अगस्त को शिवरात्रि का दुर्लभ संयोग, मंदिरों में जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और कांवड़ यात्रा की तैयारियां तेज

30 जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त तक चलेगा श्रावण मास

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

भगवान शिव की आराधना का सबसे पवित्र माना जाने वाला श्रावण मास इस वर्ष 30 जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त तक रहेगा। सावन शुरू होते ही जिले के शिव मंदिरों में धार्मिक गतिविधियां तेज हो जाएंगी। मंदिरों में जलाभिषेक, रुद्राभिषेक, भजन-कीर्तन, कांवड़ यात्रा और विशेष पूजन के कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस बार सावन में चार सोमवार पड़ रहे हैं, जबकि 12 अगस्त को सावन शिवरात्रि का पर्व मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यता है कि सावन में भगवान शिव की श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना करने, व्रत रखने और जलाभिषेक करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं तथा जीवन में सुख-समृद्धि और शांति का वास होता है। श्री श्याम मंदिर फतेहाबाद के पुजारी पंडित सोनू शर्मा ने बताया कि सावन का प्रत्येक दिन शिव उपासना के लिए महत्वपूर्ण होता है, लेकिन सोमवार और शिवरात्रि का विशेष महत्व माना गया है।

फतेहाबाद। सावन माह को लेकर सजा श्री श्याम मंदिर। फोटो: हरिभूमि

सावन सोमवार की तिथियां

पहला सोमवार	3 अगस्त 2026
दूसरा सोमवार	10 अगस्त 2026
तीसरा सोमवार	17 अगस्त 2026
चौथा सोमवार	24 अगस्त 2026

हर सोमवार का अलग महत्व

इस वर्ष सावन के दौरान चार सोमवार आएंगे, जिन पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु व्रत रखकर शिव मंदिरों में जल, दूध, बेलपत्र, धतूरा और आक के फूल अर्पित करेंगे। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सावन के सोमवार का व्रत रखने से विवाह में आ रही बाधाएं दूर होती हैं, दांपत्य जीवन सुखमय रहता है और भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

मंत्र जाप, दान और सात्विक जीवन का रखें विशेष ध्यान

सावन में ओम नमः शिवाय मंत्र का कम से कम 108 बार जाप, शिव चालीसा, रुद्राष्टक और महामृत्युंजय मंत्र का पाठ करना अत्यंत शुभ माना गया है। पंडित सोनू शर्मा के अनुसार इस पूरे महीने सात्विक भोजन करना, क्रोध और नशे से दूर रहना, जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र या अपनी क्षमता अनुसार दान देना तथा संयमित जीवन जीना भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने का श्रेष्ठ माध्यम माना जाता है।

हरियाणवी गायन विधा

हरियाणा की लोक-गीत संस्कृति गीत, रागिनी व स्वांग तक ही सीमित नहीं है। इसमें 40 से भी अधिक गायन की विधाएं रही हैं। इनमें दोहा, काफिया (तीन पंक्ति), चौबोला, शिव स्तुति, सोहनी, झूलना, राधेश्याम, अली बख्श, ख्याल, निहाल दे, दौड़, साका, आल्हा, बहर-ए-तवील, नसीरा, बारहमासा, छंद, उलट बांसी आदि शैलियां शामिल हैं। हरियाणा की गायन शैलियों की यह विशेषता भी रही है कि विशेषकर महिलाओं के गीत मौसम के हिसाब से रचे जाते रहे हैं।

हरियाणवी गीत-संगीत का बदलता मिजाज

आज हरियाणवी संगीत विश्व स्तर पर सुना जा रहा है, लेकिन दूसरी ओर चिंता भी है। विवाह, मुकलावा, दसोठण, बन्ना-बन्नी, फाग और तीज के अनेक पारंपरिक गीत अब धीरे-धीरे स्मृतियों तक सीमित होते जा रहे हैं।

लोक संस्कृति
नवरत्न

हरियाणा को यदि उत्सवधर्मी प्रदेश कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। यहां वर्ष का शायद ही कोई ऐसा महीना हो जिसमें किसी न किसी लोक अवसर पर गीत न गूंजते हों। दसोठण से लेकर नामकरण, मुकलावा, विवाह, तीज, गणगौर, सामण, फाग, होली, दिवाली, चौथ, और खोड़िया खेड्डा तक -हर पड़ाव का अपना अलग गीत, अलग लय और अलग सांस्कृतिक अर्थ रहा है। हरियाणवी लोकगीत केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रहे; वे समाज की स्मृति, लोकज्ञान, रिश्तों की मिठास, व्यंग्य, प्रेम, संघर्ष और आध्यात्मिक चेतना के जीवंत दस्तावेज रहे हैं। आज जब मोबाइल फोन पर एक क्लिक में करोड़ों लोग हरियाणवी गीत सुन रहे हैं, तब यह समझना रोचक है कि इस लोकसंगीत ने किन-किन पड़ावों से गुजरकर यह मुकाम हासिल किया।

लोकजीवन की पहली धड़कन

स्वतंत्रता से पहले हरियाणा का मनोरंजन पूरी तरह लोकजीवन से जुड़ा हुआ था। गांव की चौपाल, कुएं का पनघट, खेतों की मेड़, मेलों का मैदान और विवाह का आंगन ही सांस्कृतिक मंच थे। उस समय सांग सबसे प्रभावशाली लोकनाट्य था। पंडित लखमीचंद, मांगेराम और बाजे भगत जैसे कलाकारों ने लोकभाषा में धर्म, नीति, प्रेम, इतिहास और सामाजिक चेतना को जन-जन तक पहुंचाया। उनकी रागनियां आज भी लोकस्मृति में जीवित हैं। इसी दौर में सपेरों की बीन, जोगियों की सारंगी, ढोलक, खंजरी, चिमटा और इकतारा ग्रामीण मनोरंजन के प्रमुख साधन थे। गीत सामूहिक होते थे, श्रोता भी सहभागी होते थे।

लोकगीतों से जनजागरण तक

स्वतंत्रता के बाद लोकसंगीत का एक नया उपयोग सामने आया। सरकारी सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की भजन पार्टियों ने गांव-गांव जाकर लोकधुनों के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और सरकारी योजनाओं का प्रचार किया। मनोरंजन अब सामाजिक संदेश का माध्यम भी बन गया। इसी समय रेडियो का प्रभाव बढ़ा। आकाशवाणी के ग्राम संसार, खेती-बाड़ी और लोकसंगीत कार्यक्रमों ने गांव-गांव तक नई पहचान बनाई। हरियाणवी लोकगायकों को पहली बार व्यापक मंच मिला।

पंजाब का प्रभाव व बदलती रुचियां

सत्तर और अस्सी के दशक में पंजाब के लोकसंगीत का हरियाणा पर गहरा प्रभाव पड़ा। गुरदास मान, भांगड़ा दलों और पंजाबी कैसेटों ने युवाओं को आकर्षित किया। विवाह समारोहों में ढोल और भांगड़ा सामान्य दृश्य बनने लगे। इसके बावजूद हरियाणा की अपनी लोक परंपरा जीवित रही। तीज के झूले, फाग के गीत, ब्याह की बन्ना-बन्नी, घुड़चढ़ी, मुकलावा, दसोठण और पनघट के गीत लगातार गाए जाते रहे।

जब हर घर बना संगीतालय

अस्सी और नब्बे का दशक हरियाणवी संगीत का निर्णायक मोड़ था। टेप रिकॉर्डर प्रतिष्ठा का प्रतीक बन गया। ऑडियो कैसेटों ने लोकसंगीत को घर-घर पहुंचा दिया।

दादरी के निकट स्थापित मैना कैसेट्स जैसी कंपनियों ने हरियाणवी और पंजाबी गीतों को बड़े पैमाने पर रिकॉर्ड किया। साथ ही टी-सीरिज ने भी हरियाणवी गीतों को व्यापक बाजार दिया। इसी दौर में हरियाणवी फिल्मों- चंद्रावल, म्हारी धरती म्हारी मां, बहुरानी, सांझी और बटेऊ- के गीतों ने लोकप्रियता के नए कीर्तिमान बनाए। कहा जाता है कि चंद्रावल का संगीत विदेशों तक पहुंचा। कलाकारों जैसे देवीशंकर प्रभाकर, उषा शर्मा, भालसिंह बल्हारा और रघुवेंद्र मलिक घर-घर पहचाने जाने लगे।

रागनी प्रतियोगितियों का स्वर्णकाल

नब्बे के दशक में हरियाणा में रागनी प्रतियोगितियों का अभूतपूर्व दौर आया। घड़वा-बैंजू की संगत पर रागनी गायन प्रतियोगिताएं पूरी रात चलती थीं। रमेश कल्हावड़, मास्टर सतबीर, रणबीर बड़वासनिया, राजेन्द्र खरकिया, बाली शर्मा और पाले राम नाई जैसे कलाकारों ने लखमीचंद और मांगेराम की रागनियों को नई पीढ़ी तक पहुंचाया। उस समय रागनी केवल संगीत नहीं, लोकबुद्धि की परीक्षा भी होती थी।

सीडी, डीजे और मंचीय संस्कृति

इसके बाद सीडी का दौर आया। 'हट जा ताऊ पाछै नै' जैसे गीतों ने लोकप्रियता के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। गांवों में डीजे संस्कृति का प्रवेश हुआ। पिकअप वाहनों पर विशाल स्पीकर लादकर बारातें निकलने लगीं। ढोलक और नगाड़े की जगह तेज ध्वनि वाले डीजे ने ले ली। इसी दौर में मंचीय नृत्य और लाइव कार्यक्रमों का विस्तार हुआ।

सपना चौधरी और नया हरियाणा

फिर हरियाणवी मनोरंजन को एक नया चेहरा मिला- सपना चौधरी। उनके मंचीय कार्यक्रमों ने हरियाणवी संगीत को राष्ट्रीय पहचान दिलाई। इसके बाद हरियाणवी गीतों ने यूट्यूब और सोशल मीडिया पर करोड़ों दर्शक जुटाने शुरू कर दिए। आज बावन गज का दामण, तेरी आंख्या का यो काजल, गजबण, घूंघट, बालम थानेदार, टोकणी, मेरा बालम, जेल करावैगी, भिरड़ लड़गी जैसे गीत केवल हरियाणा तक सीमित नहीं हैं; वे देश और विदेश में भी सुने जाते हैं।

बदलते विषय, बदलती भाषा

आज के गीतों में प्रेम, नोकझोंक, हास्य, फैशन, गाड़ी, मोबाइल, सोशल मीडिया और आधुनिक जीवन के प्रतीक अधिक दिखाई देते हैं। कभी 'हीरो होंडा', कभी 'जिप्सी', कभी 'बीयर', कभी 'इंग्लिश', कभी 'सैंडल'-लोकजीवन बदलता है तो गीतों की शब्दावली भी बदल जाती है। फिर भी हरियाणवी गीतों की सबसे बड़ी विशेषता उनकी कल्पनाशीलता है। 'तू छाती कै लाग्या रहिए, ताबीज बणा ल्यूँ तनै' जैसी पंक्तियाँ प्रेम को लोकबिंब में ढाल देती हैं। 'रै गई हाल सिर पै दोघड़ रै, पाणी छलकै' जैसे बिंब ग्रामीण जीवन की सहजता को जीवित रखते हैं और कुछ गीत तो सूफियाना ऊंचाई तक पहुंच जाते हैं। 'मैं तेरी नचाई नाचूं सूं, इस दुनिया की औकात नहीं' पहली दृष्टि में प्रेमी-प्रेमिका का संवाद लगता है, पर गहराई में देखें तो यह जीवात्मा और परमात्मा के संबंध का रूपक भी बन सकता है। यही लोककाव्य की शक्ति है कि वह अनेक अर्थों में पढ़ा जा सकता है।

उपलब्धियां और चुनौतियां

आज हरियाणवी संगीत विश्व स्तर पर सुना जा रहा है। लाखों-करोड़ों व्यूज़, आधुनिक रिकॉर्डिंग, डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म और आर्थिक अवसरों ने कलाकारों को नई पहचान दी है। लेकिन दूसरी ओर चिंता भी है। विवाह, मुकलावा, दसोठण, बन्ना-बन्नी, फाग और तीज के अनेक पारंपरिक गीत अब धीरे-धीरे स्मृतियों तक सीमित होते जा रहे हैं। तेज़ संगीत ने कई बार सामूहिक गायन की परंपरा को पीछे धकेल दिया है।

हरियाणवी लोकसंगीत की यात्रा बीन से ब्लूटूथ, चौपाल से यूट्यूब और सांग से सोशल मीडिया तक की यात्रा है। माध्यम बदल गए हैं, मंच बदल गए हैं, श्रोता बदल गए हैं; लेकिन लोकमन की सृजनशीलता आज भी उतनी ही जीवंत है। आज हरियाणवी लोकगीत और संस्कृति की धूम है। मुंबई यानि बॉलीवुड में कोई भी बड़ी फिल्म आज बिना हरियाणवी कैरेक्टर के पूरी नहीं होती। आवश्यकता केवल इस बात की है कि आधुनिकता का स्वागत करते हुए हम अपनी लोकधरोहर को भी सुरक्षित रखें। क्योंकि हरियाणवी लोकगीत केवल मनोरंजन नहीं हैं; ये इस मिट्टी की सामूहिक स्मृति, सांस्कृतिक पहचान और लोकआत्मा की सबसे मधुर अभिव्यक्ति हैं।

हरियाणवी लोकसंगीत की यात्रा बीन से ब्लूटूथ, चौपाल से यूट्यूब और सांग से सोशल मीडिया तक की यात्रा है। माध्यम बदल गए हैं, मंच बदल गए हैं, श्रोता बदल गए हैं; लेकिन लोकमन की सृजनशीलता आज भी उतनी ही जीवंत है। आज हरियाणवी लोकगीत और संस्कृति की धूम है। मुंबई यानि बॉलीवुड में कोई भी बड़ी फिल्म आज बिना हरियाणवी कैरेक्टर के पूरी नहीं होती। आवश्यकता केवल इस बात की है कि आधुनिकता का स्वागत करते हुए हम अपनी लोकधरोहर को भी सुरक्षित रखें। क्योंकि हरियाणवी लोकगीत केवल मनोरंजन नहीं हैं; ये इस मिट्टी की सामूहिक स्मृति, सांस्कृतिक पहचान और लोकआत्मा की सबसे मधुर अभिव्यक्ति हैं।

ग़ज़ल — राजपाल सिंह गुलिया

हांस्सी ठट्ठा

भूल गए सभ हांस्सी ठट्ठा,
प्रेम - प्यार का बैठ्या भट्ठा।

बातां पै थे लोग मरणिया,
बिना बात वे लट्ठम -लट्ठा।

स्याणा कह सै आपे नै ये,
औरां नै उल्लू का पट्ठा।

बूझै मतना ऊधपणे की,
काणी कहकै मांगैं मट्ठा।

चीज नहीं सै तिरे काम की,
सहम बता क्यूँ खोलै गट्ठा।

पांच जेळ म्हं एक बच्या क्यूं,
नेता का साला था छट्ठा।

घर कै म्हां मेला सा भर ज्या,
सारा कुणबा हो जिब कट्ठा।

गीत — सत्यवीर नाहड़िया

सुर में ताल मिलाएं ...

राग-द्वेष यदि छोड़ सभी हम, राग-देश अपनाएं।
सप्तक जैसा जीवन होगा, सुर में ताल मिलाएं।।

सांझ सदा ही यमन बने अरु भैरव भोर हमारी।
रात भुपाली देशराग हो, दुर्गा अरु केदारी।
जौनपुरी-सी चंचलता हो, काफी-सी खुम्मारी।
कभी भैरवी भीम-पलासी, सारंगी तैयारी।
मालकौंस को रातें प्यारी, पहर तीसरे गाएं।
सप्तक जैसा जीवन होगा, सुर में ताल मिलाएं।।

माँ वाणी से वाणी माँगे, वाणी मीठी-सादी।
भाव करें शुद्ध व कोमल, बन माँ के फरियादी।
तानपुरा से तान उठाकर, सँग ज्यूँ ताल मिला दी।
जीवन के सप्तक को कर लें, वादी या संवादी।
सधे मात्रा पूरी-आधी, सुर-संगम को ध्याएँ।
सप्तक जैसा जीवन होगा, सुर में ताल मिलाएँ।।

दा रा रा रा-दा रा रा रा, कभी सितार उठाना।
ताल व ताली भरी व खाली, मिलकर साथ बजाना।
कभी कहरवा ताल दादरा, रूपक सूल सजाना।
गाना आये या ना आये, फिर भी मन से गाना।
संगति पूरी सदा निभाना, बड़े यही बतलाएं।
सप्तक जैसा जीवन होगा, सुर में ताल मिलाएं।।

सुर-लय दोनों अनुशासन हैं, जीवन में अपना लें।
रच-बस जाएं छंदों में हम, ख्याल-ग़ज़ल तक गा लें।
गायन-वादन एक साधना, पूरे मन से पा लें।
संगीत-गीत अपनाकर हम, जीवन स्वर्ग बना लें।
कह 'नाहड़िया' आओ ध्या लें, परम पिता को पाएँ।
सप्तक जैसा जीवन होगा, सुर में ताल मिलाएं।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

हरियाणवीं यादें — **सरकंडे से जेवड़ी यानी रस्सी बनाने का तीन दशक पहले का यह काम आधुनिकीकरण के चलते अब हाशिए पर आया**

किसानों का स्वरोजगार कहलाती थी मूंज की रस्सी

जनजीवन
रवि यादव

मैंने यह फोटो वर्ष 2018 में खींची थी। इसमें हमारे गांव के सम्मानित व्यक्ति दादा मक्खन लाल मूंज कूट रहे हैं। यह फोटो अलग-अलग समूहों में बहुत वायरल हुई थी। करीब तीस साल पहले तक हमारे हरियाणा में झुंडे, जिनको आप सरकंडे के नाम से जानते हैं, हुआ करते थे। इन दिनों लगभग हर गांव में मूंज कूटने का काम खूब होता था। किसान गर्मी के इन दिनों में सुबह दस बजे तक दो-तीन मंजोली (मूंज की एक बड़ी पूली/गट्ठर) कूट देते और शाम चार बजे के बाद एक मंजोली को पानी में भिगोकर रस्सी बांट देते थे।

सरकंडे से रस्सी बनाने का यह सफर इतना आसान नहीं रहा, जितना आसानी से मैं लिख रहा हूं। झुंडों की कटाई संक्रांति के बाद होती थी। इनकी पानियां तलवार की धार के माफिक पैनी होती थीं। किसान हाथ चिर न जाए, इसके लिए हाथ में मोटी फौजी जुराब पहन लेते थे और दरांती से झुंडे काटते थे तथा पानियों से ही उन्हें बांध देते थे। फिर भी हाथ लहूलुहान हो जाते थे। फागण और आषाढ़ के महीनों में घर के बुजुर्ग सरकंडों के इन पूलों को वहां से तोड़ते, जहां गांठ होती थी और आखिर में पतली तुलिया (सरकंडे का अंतिम पतला भाग) बचती, जिसे अलग रख दिया जाता था। एक सरकंडे में एक-डेढ़ फुट पर करीब सात-आठ गांठ होती थीं।

इस तरह मूंज की पूलियां बनती थीं। किसी के स्वर्ग सिधारने की अंतिम यात्रा से पहले मृत देह को झुंडे के पूले पर ही लिटाया जाता था। मई के महीने में इन पूलियों को महीन कूटा जाता था। फिल्मों में आपने जज साहब का वह लकड़ी का हथौड़ा तो देखा ही होगा। बस, यह भी आकार में उससे बड़ा लकड़ी का बना हथौड़ा (ढीका—मूंज कूटने का विशेष लकड़ी का भारी हथौड़ा) होता था, जिसे बार-बार मूंज की पूली पर मारा जाता था। मूंज की पूली पर चोट मजबूत लगे, इसके लिए आयताकार पत्थर जमीन के बराबर गाड़ दिया जाता था। कूटते समय पूली को लगातार घुमाया जाता था, ताकि हर जगह से उसे महीन किया जा सके। इस तरह मूंज कूटने का काम किया जाता था। अब इन दिनों में गांव के जोहड़ पर पीपल या बड़ के पेड़ के नीचे या अपनी छांद में खाट डालकर किसान मूंज की एक पूली ले जाता, जोहड़ में से भिगो लाता, खाट पर रखता और खाट पर बीच में बैठकर मूंज बांटता। कई बार हम जैसों को कह दिया जाता, 'तू पूंजली (रस्सी बंटते समय हाथ में पकड़ाई जाने वाली मूंज की छोटी गठरी) पकड़ाता रह और मैं बांटता हूं।' रस्सी बनती जाती और मूंज खत्म होती जाती। जो मूंज की कच्ची रस्सी बनती, उसे समेटने की कला साधारण नहीं थी, बल्कि ऐसी थी कि जब रस्सी को बल लगाया जाता था तो रस्सी के दोनों सिरे बराबर खुलते जाते थे। रस्सी को बल लगाने की लकड़ी की बनी चरखी होती थी और गज़ब की तकनीक से काम किया जाता था उससे। इन रस्सियों को पानी में भिगो दिया जाता था। हम बच्चों को थोड़ी-थोड़ी दूरी पर दोनों ओर की रस्सियों के बीच में खड़ा कर दिया जाता था, ताकि दोनों रस्सियों के बीच में मिलाप न हो सके। इन रस्सियों के बीच खड़े होने पर कई बार पता ही नहीं चलता था कि रस्सी कब कुर्ते या बुरसट को साथ लपेट लेती थी। हालांकि एक हाथ से चलने वाली चरखी भी होती थी, जिससे बल लगाया जाता था। मूंज की इस रस्सी से खाट, पलंग, पीढ़ा, मूढ़ा बनाया जाता था। थोड़ी-सी मोटी रस्सी बनाकर खाट की पंगात (खाट की बाहरी मजबूत बुनावट/किनारी) बनाई जाती थी।

मूंज की इस रस्सी से खाट, पलंग, पीढ़ा, मूढ़ा बनाया जाता था। थोड़ी-सी मोटी रस्सी बनाकर खाट की पंगात (खाट की बाहरी मजबूत बुनावट/किनारी) बनाई जाती थी।

किसानों के लिए यह काम का काम और बढ़िया टाइम पास था। झुंडे बिना पानी, बिना देखभाल किए ऐसे ही उग आते थे और किसान इनका बेहतरीन सदुपयोग करना जानते थे। सरकंडे की पतली तुलिया से छाज, जंगले की चटाई, हवा करने की पंखी आदि बनती थीं। मोटे सरकंडे से अब भी मूढ़े बनाए जाते हैं।

किसानों का और उनके परिवारों का यह आत्मनिर्भर स्वरोजगार था, जिसमें वे अपना काम खूब चलाते थे और जरूरी चीजों के लिए बाजार का रुख नहीं करते थे। आज आधुनिक भारत में सबकी जेब में दाम हैं और सुख-सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हैं। तीन दशक पहले का यह काम अब हाशिए पर धकेल दिया गया है। इसके लिए किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता, बस बदलते समय में गांवों की सोच भी बदल गई। अब खाट और पलंग की जगह डबल बेड आ गए, पीढ़े और मूढ़े की जगह प्लास्टिक की कुर्सियों और सोफों ने ले ली। हम आधुनिक, सुविधा-संपन्न व्यक्ति जरूर हो गए, मगर स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता को खोकर बेरोजगार भी हो गए।

समय बदल रहा और हरियाणवी सिनेमा भी : सुदेश बेनीवाल

कलाकार
डॉ. तबस्सुम जहां

सपनों को हौसलों की उड़ान मिले और प्रतिभा को सही मार्गदर्शन, तो साधारण पृष्ठभूमि से निकला एक कलाकार भी अपनी पहचान पूरे देश में बना सकता है। हरियाणवी सिनेमा की ऐसी ही सशक्त अभिनेत्री हैं सुदेश बेनीवाल, जिन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में विशेष स्थान बनाया है। सुदेश बेनीवाल ने एम.ए. एवं बी.एड. की शिक्षा प्राप्त की है। उनका पैतृक गांव हिसार जिले का शिकारपुर तथा ससुराल फतेहाबाद जिले के खाबड़ा कलां गांव से है। बचपन से ही वे हंसमुख, चुलबुली और अभिनय की शौकीन थीं।

इन्होंने गवर्नमेंट कॉलेज, हिसार से उच्च शिक्षा प्राप्त की और वहीं से रंगमंच की शुरुआत की। उनके अभिनय सफर में पूरे परिवार ने भरपूर सहयोग दिया। उनके पिता चाहते थे कि वे अभिनय के क्षेत्र में आगे बढ़ें। विवाह के बाद ससुराल में भी उन्हें पूरा सहयोग मिला। विशेष रूप से उनके पति अमर बेनीवाल ने हर कदम पर उनका साथ दिया। सुदेश अभी तक दादा लखमी, कॉलेज कांड, पाताल लोक-2, हरियाणा की बेटी, देशी अदालत, पुनर्जन्म, महा पुनर्जन्म काल-चक्र तथा डाकखाना में अपने अभिनय का

लोहा मनवा चुकी हैं। आने वाले समय में वे जालिमपुर हलालपुर, भाई साहब, सपना चौधरी अभिनीत फिल्म फौजन के अलावा कई विज्ञापन फिल्मों और म्यूज़िक वीडियोज़ में भी नज़र आएंगी। सुदेश के अभिनय जीवन का नया अध्याय फिल्म दादा लखमी से शुरू हुआ। इसका पूरा श्रेय वे वरिष्ठ अभिनेता यशपाल शर्मा को देती हैं, जिन्हें वे अपना अभिनय गुरु मानती हैं। उनके अनुसार इस यात्रा की सबसे बड़ी सीख यही रही कि बिना रुके और बिना थके लगातार मेहनत करते रहना चाहिए। दादा लखमी ने हरियाणवी सिनेमा को नई दिशा दी। चन्द्रावल के बाद इसी फिल्म ने दर्शकों को फिर से सिनेमाघरों तक पहुंचाया और हरियाणवी सिनेमा की चर्चा विदेशों तक हुई। इस फिल्म में काम करना वह अपना सौभाग्य मानती हैं। सुदेश को यशपाल शर्मा और जयदीप अहलावत जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ काम करने का अवसर मिला है। पाताल लोक-2 में जयदीप अहलावत के साथ काम करना उनके लिए यादगार अनुभव रहा। इस वेब सीरीज़ में उनका पम्मी पार्लर वाला किरदार दर्शकों को खूब पसंद आया। अपने स्टेज ऐप पर काम करने के अनुभव के बारे में उन्होंने बताया कि स्टेज ऐप ने न केवल उन्हें, बल्कि हजारों हरियाणवी कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दिया है और प्रदेश के सिनेमा को नई पहचान दिलाई है। सुदेश जिस भी फिल्म या वेब सीरीज़ में काम करती हैं, उसकी शूटिंग शुरू होने से पहले ही वे अपने किरदार को समझकर स्वयं को उसके अनुरूप ढालने का प्रयास करती हैं। कॉलेज कांड में कविता वकील का संघर्ष और पाताल लोक-2 का जस्ट सेइंग उनके लिए विशेष अनुभव रहे। हरियाणवी सिनेमा और रंगमंच के बारे में सुदेश का मानना है कि हरियाणा का रंगमंच अपनी अलग पहचान और समृद्ध परंपरा रखता है। आज मोबाइल और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से हरियाणवी सिनेमा घर-घर तक पहुंच चुका है। उनके अनुसार रंगमंच और सिनेमा, दोनों की अपनी-अपनी संभावनाएं हैं। आज लगातार नई हरियाणवी फिल्में और वेब सीरीज़ बन रही हैं। अब बॉलीवुड के कलाकार भी हरियाणवी फिल्मों की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जो इस उद्योग के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। सामाजिक विषयों पर आधारित फिल्मों में काम करते हुए वे स्वयं को अधिक मजबूत और प्रभावी महसूस करती हैं। प्रदेश सरकार फिल्म बनाने को लेकर जो पॉलिसी लाई है इस नई फिल्म नीति के कारण हरियाणा के बाहर के कलाकार भी यहां के सिनेमा से जुड़ रहे हैं, जिससे उद्योग का दायरा और पहचान दोनों बढ़ी हैं। आने वाला समय हरियाणवी सिनेमा का है। जिस प्रकार हरियाणवी गीतों ने पूरे देश में अपनी पहचान बनाई है, उसी प्रकार हरियाणवी सिनेमा भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराएगा। सुदेश के अनुसार पहले हरियाणा के लोग खेती-बाड़ी से अधिक जुड़े थे और सिनेमा उनकी प्राथमिकता नहीं था, लेकिन अब समय बदल रहा है। युवा पीढ़ी फिल्मों और वेब सीरीज़ में अधिक रुचि ले रही है और अच्छी हरियाणवी

सुदेश के अभिनय जीवन का नया अध्याय फिल्म 'दादा लखमी' से शुरू हुआ। इसका पूरा श्रेय वे वरिष्ठ अभिनेता यशपाल शर्मा को देती हैं, जिन्हें वे अपना अभिनय गुरु मानती हैं। उनके अनुसार इस यात्रा की सबसे बड़ी सीख यही रही कि बिना रुके-थके लगातार मेहनत करते रहना चाहिए।

फिल्मों के साथ दर्शकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। वह यह भी मानती हैं कि बेशक आज लोगों के पास थिएटर जाकर नाटक देखने का समय कम हो गया है, लेकिन डिजिटल माध्यमों के बढ़ते प्रभाव के कारण दर्शकों की देखने की आदतों में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने नए कलाकारों को संदेश देते हुए कहा कि वे पूरी लगन, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने काम में जुटे रहें। उनके अनुसार समय बदल रहा है और हरियाणवी सिनेमा भी लगातार बढ़ रहा है।

खबर संक्षेप

पुलिस कर्मचारियों को दिया गया आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण

फतेहाबाद। बदलते दौर में अपराधियों के हाईटेक तौर-तरीकों को मात देने और जिला पुलिस को तकनीकी रूप से अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए फतेहाबाद पुलिस लाइन स्थित एनजीओ मेस में एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य पुलिस की रोजमर्रा की कार्यप्रणाली में आधुनिक तकनीकी संसाधनों के अधिकतम उपयोग को बढ़ावा देना और जांच प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाना रहा। प्रशिक्षण सत्र के दौरान जिले भर से आए पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर, डिजिटल प्लेटफॉर्म और विभिन्न ऑनलाइन संसाधनों के उपयोग के बारे में विशेषज्ञों द्वारा विस्तार से जानकारी दी गई। सत्र में सिखाया गया कि किस प्रकार डेटा विश्लेषण और सूचना संकलन के माध्यम से अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा सकती है। इस दौरान उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि आज के समय में अपराधी भी तकनीक का सहारा ले रहे हैं, ऐसे में पुलिस कर्मियों का तकनीकी रूप से अपडेट होना बेहद जरूरी है ताकि अपराधों पर नियंत्रण पाया जा सके और लोगों को त्वरित सेवाएं मिल सकें।

■ एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन

जिला स्तरीय बैठक में अमेरिका से फ्री ट्रेड एग्रीमेंट का विरोध

किसानों का बिगुल: 22 को सांसद आवास घेराव, 10 अगस्त को जेल भरो आंदोलन

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

केंद्र सरकार की कृषि नीतियों और स्थानीय प्रशासनिक मुद्दों को लेकर अखिल भारतीय किसान सभा ने आंदोलन का ऐलान किया है। रविवार को शहीद उधम सिंह भवन में आयोजित जिला स्तरीय बैठक में किसानों ने कहा कि अमेरिका के साथ होने वाले कृषि समझौते के विरोध में 22 जुलाई को राज्यसभा सांसद सुभाष बराला के आवास का घेराव किया जाएगा। इसके साथ ही, लंबित मुआवजा, नहरी पानी और बिजली संकट जैसे जलते मुद्दों को लेकर आगामी 10 अगस्त को देशव्यापी जेल भरो आंदोलन के तहत आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस बैठक की अध्यक्षता किसान सभा के जिला प्रधान विष्णु शर्मा ने की, जबकि संचालन सेक्रेटरी राजेंद्र प्रसाद बाटू ने किया। बैठक में किसान सभा हरियाणा के महासचिव सुमित सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे।

फतेहाबाद। शहीद उधम सिंह भवन में किसान सभा फतेहाबाद जिला कमेटी मीटिंग में उपस्थित पदाधिकारी। फोटो: हरिभूमि

आरोप - समझौते से फसलों के दाम गिरेंगे

बैठक को संबोधित करते हुए राज्य महासचिव सुमित सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार अमेरिका व अन्य देशों के साथ कृषि क्षेत्र में फ्री ट्रेड एग्रीमेंट करने जा रही है, जो भारतीय किसानों को तेजी से बर्बादी की ओर धकेलेगा। उन्होंने कहा कि इस समझौते से अमेरिकी कृषि उत्पाद भारतीय बाजारों में भर जाएंगे, जिससे घरेलू फसलों कपास, सोयाबीन, सरसों, मक्का और डेयरी उत्पाद के दाम बेहद नीचे गिर जाएंगे। यह समझौता केवल बड़े पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए है। इसी के विरोध में संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर 22 जुलाई को सांसद सुभाष बराला के निवास का घेराव होगा। इसके बाद 28 व 29 जुलाई को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में राष्ट्रीय कन्वेंशन और 10 अगस्त को देशव्यापी जेल भरो आंदोलन किया जाएगा। उप प्रधान जगतार सिंह ने भी कहा कि यह समझौता न्यूनतम समर्थन मूल्य की लड़ाई को पूरी तरह कमजोर करने की साजिश है।

स्थानीय मुद्दों पर डीसी के घेराव की चेतावनी

जिला प्रधान विष्णु दत्त ने स्थानीय समस्याओं को उठाते हुए कहा कि फतेहाबाद, भट्टू और भूना ब्लॉक में खरीफ 2025 की नरमा कपास की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई थी। इसके बावजूद प्रशासन ने नुकसान को महज 0 से 24 प्रतिशत दिखाकर किसानों को मुआवजा और बीमा क्लेम से वंचित कर दिया। यदि मुआवजा, बीमा क्लेम, नहरी पानी और ट्यूबवेल बिजली सप्लाई को लेकर प्रशासन का रवैया सकारात्मक नहीं रहा, तो किसान सभा एक बड़ा प्रदर्शन करते हुए डीसी दफ्तर का अनिश्चितकालीन घेराव करेगी। इस बैठक में मुंशी राम नाढोडी, सुभाष जांडवाला, अमर सिंह तलवाड़ा, केवल सिंह रताथेह, ओम प्रकाश फगेडिया और हमीद समैण सहित अनेक सदस्य मौजूद रहे।

फतेहाबाद। शिविर में रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करते सांसद सुभाष बराला।

मानव सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं : सांसद

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

महिला समाज सेवा एवं उम्मीद चैरिटेबल ट्रस्ट, टोहाना के संयुक्त तत्वावधान में स्वर्गीय विपिन मेहता की पुण्यतिथि के अवसर पर मानव सेवा संगम हॉस्पिटल में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर एवं स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। समाज सेवा और जनकल्याण को समर्पित इस कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने शिविर का अवलोकन कर रक्तदाताओं और चिकित्सकों का उत्साहवर्धन किया। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि किसी व्यक्ति की स्मृति में किए जाने वाले सेवा कार्य ही उसके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होते हैं। उन्होंने कहा कि रक्तदान केवल रक्त का दान नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद को नया जीवन देने का संकल्प है। एक यूनिट रक्त कई लोगों के जीवन की रक्षा कर सकता है, इसलिए प्रत्येक स्वस्थ नागरिक को समय-समय पर स्वैच्छिक रक्तदान अवश्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज तभी मजबूत बनता है जब लोग अपने व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आते हैं। सामाजिक संस्थाएं जिस समर्पण और सेवा भाव से स्वास्थ्य, शिक्षा एवं जनकल्याण के क्षेत्र में कार्य कर रही हैं।

■ मानव सेवा को समर्पित निःशुल्क मेडिकल कैंप एवं रक्तदान शिविर

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर स्वीटी मेहता, नगर परिषद चेयरमैन नरेश बंसल, डॉ. शिव सचदेवा, रमन मडिया, जीवन बंसल, ललित मोहन प्रभाकर, सन्नी मेहता, मनीष शर्मा, सतपाल नन्हेड़ी, ईश सरना सहित अनेक गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, चिकित्सक, युवा एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

सदस्यता अभियान सहित अनेक मुद्दों को लेकर प्रदेश महामंत्री ने ली भाजपा मंडल अध्यक्षों के साथ की समीक्षा बैठक

प्रत्येक कार्यकर्ता ही पार्टी की सबसे बड़ी पूंजी और ताकत : पूनिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों और संगठनात्मक मजबूती को लेकर भाजपा ने अपनी जमीनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में रविवार को भाजपा के प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया ने जिला फतेहाबाद के तमाम वरिष्ठ पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों, मंडल महामंत्रियों और जिला कार्यकारिणी सदस्यों के साथ एक महत्वपूर्ण ऑनलाइन बैठक की। बैठक के दौरान जिले में चल रही संगठनात्मक गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई और आगामी अभियानों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक कार्यकर्ता आधारित संगठन है और प्रत्येक कार्यकर्ता ही पार्टी की सबसे बड़ी पूंजी और ताकत है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों का आह्वान किया कि वे संगठन की नीतियों और सरकार के कार्यक्रमों को बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाएं। पूनिया ने आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को पूरी निष्ठा, अनुशासन और सक्रियता के साथ सफल बनाने के निर्देश दिए।

फतेहाबाद। बैठक में भाग लेते भाजपा नेता। फोटो: हरिभूमि

प्रवीण जोड़ा ने प्रदेश नेतृत्व को किया आश्वस्त

इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीन जोड़ा ने प्रदेश नेतृत्व को आश्वस्त करते हुए कहा कि जिले का प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता संगठन को बूथ स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने के लिए दिन-रात जुटा हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश महामंत्री द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुरूप फतेहाबाद में आगामी सभी अभियानों को पूरी गंभीरता और समर्पण के साथ सफल बनाया जाएगा। उन्होंने पदाधिकारियों से निरंतर फील्ड में सक्रिय रहकर जन-जन तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने की अपील की। इस बैठक में मुख्य रूप से संगठन विस्तार, बूथ सशक्तिकरण, सदस्यता अभियान, जनसंपर्क गतिविधियों तथा केंद्र व हरियाणा सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को आम जनता तक पहुंचाने पर विशेष चर्चा की गई। सभी पदाधिकारियों से नियमित रूप से मंडलों और बूथों पर प्रवास करने का आग्रह किया गया है। इस बैठक में चेयरमैन बलदेव गोहा, जिला प्रभारी सुरेंद्र आर्य, किसान मोर्चा अध्यक्ष अवतार सिंह, महिला मोर्चा अध्यक्ष डॉ. सुमन बजाज, युवा मोर्चा अध्यक्ष बिट्टू गुज्जर, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष बलदेव सैनी, एससी मोर्चा अध्यक्ष राजेंद्र सरबटा और अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष अवतार मोंगा सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने वर्चुअल किया संबोधित

इसके अलावा जिला कार्यालय में शक्ति केंद्र वक्ता बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में फतेहाबाद जिले के सभी शक्ति केंद्र बैठकों के लिए नियुक्त वक्तागण एवं संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस बैठक में भारतीय जनता पार्टी हरियाणा की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता एवं संगठन मंत्री फणींद्रनाथ शर्मा ने वर्चुअल माध्यम से जुड़े और कहा बैठक का उद्देश्य आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना, शक्ति केंद्रों को और अधिक सक्रिय बनाना तथा कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना रहा।

हार का दर्द नहीं भूले दुड़ाराम, मंच मिला तो जनता को ही सुना गए चुनावी हिसाब

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

विधानसभा चुनाव 2024 में मिली हार का दर्द पूर्व विधायक दुड़ाराम के मन से अब तक उतरता नजर नहीं आ रहा। रविवार को भट्टू की रामानंद कॉलोनी में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम के मंच से उन्होंने एक बार फिर चुनावी हार का जिक्र किया और इशारों-इशारों में जनता के फैसले पर सवाल खड़े कर दिए। विकास कार्यों की लंबी फेहरिस्त गिनाते हुए उन्होंने यहां तक कह दिया कि फतेहाबाद में ईंट अगर कोई लगाएगा तो दुड़ाराम ही लगाएगा, दूसरा कोई नहीं। अपने संबोधन में दुड़ाराम ने लोगों से पेन-कॉपी लेकर उनके कार्यकाल का हिसाब देखने की सलाह दी। उन्होंने दावा किया कि खेतों के रास्ते, सीवरेज, जलघर, बरसाती पानी निकासी और मनरेगा के अनेक काम उन्होंने कराए। इसके बाद उन्होंने भट्टू क्षेत्र का जिक्र करते हुए कहा कि इतने विकास कार्यों के बावजूद लोगों ने उन्हें करीब 1800 वोटों से पीछे कर दिया।

हार का ठीकरा जनता के फैसले पर

पूर्व विधायक ने कहा कि यदि वह विधायक बनते तो मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ही बनते, लेकिन उनकी हार से नुकसान हलके का हुआ है। राजनीतिक गलियारों में उनके इस बयान को जनता के जनादेश पर अप्रत्यक्ष टिप्पणी के रूप में भी देखा जा रहा है। लोकतंत्र में जनता का फैसला अंतिम माना जाता है, लेकिन दुड़ाराम के बार-बार के बयानों से यह संदेश निकल रहा है कि वह अब भी हार को सहज रूप से स्वीकार नहीं कर पाए हैं।

भगवान परशुराम की मूर्ति की हुई प्राण प्रतिष्ठा

भट्टकलां। भट्टमंडी की रामानंद कॉलोनी में श्री भगवान परशुराम धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय धार्मिक महोत्सव का रविवार को श्रद्धा और उल्लास के साथ समापन हो गया। अंतिम दिन भगवान परशुराम, भगवान हनुमान एवं नमदेश्वर परशुराम की मूर्तियों की विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठा की गई। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन यज्ञ संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूर्णाहुति देकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। धार्मिक अनुष्ठानों के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें भट्टू मंडी सहित आसपास के गांवों से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा और भगवान परशुराम के जयकारों से माहौल गूंज उठा।

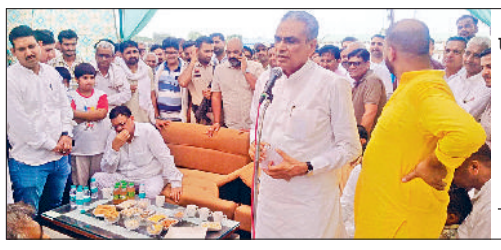
फतेहाबाद। कार्यक्रम को संबोधित करते दुड़ाराम।

भगवान परशुराम की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा हुई

भट्टकलां। भट्टमंडी की रामानंद कॉलोनी में श्री भगवान परशुराम धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय धार्मिक महोत्सव का रविवार को श्रद्धा और उल्लास के साथ समापन हो गया। अंतिम दिन भगवान परशुराम, भगवान हनुमान एवं नमदेश्वर परशुराम की मूर्तियों की विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठा की गई। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन यज्ञ संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूर्णाहुति देकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। धार्मिक अनुष्ठानों के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें भट्टू मंडी सहित आसपास के गांवों से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा और भगवान परशुराम के जयकारों से माहौल गूंज उठा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक दुड़ाराम उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में योगराज शर्मा ने शिरकत की। समापन अवसर पर ट्रस्ट पदाधिकारियों ने सभी श्रद्धालुओं, अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में आध्यात्मिक चेतना, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने का कार्य करते हैं। इस अवसर पर योगराज शर्मा, ब्रह्मानंद गोयल, सुरेन्द्र साईं अधिवक्ता, सुभाष सिहाग, बजरंग शर्मा, कृष्ण जिंदल, बंसी भीगासरा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पार्सल बॉक्स का लेबल फेंकने से पहले हटाएं, कबाड़ से पार्सल बॉक्स उठाकर ठग चुरा रहे निजी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

ऑनलाइन शॉपिंग के बाद इस्तेमाल किए गए पार्सल बॉक्स को लेकर पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने साइबर एडवाइजरी जारी की है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि वर्तमान समय में साइबर अपराधी अमेजन, फ्लिपकार्ट व अन्य ई-कॉमर्स कंपनियों के पार्सल बॉक्स पर लगे शिपिंग लेबल से लोगों की निजी जानकारी हासिल कर उन्हें साइबर ठगी का शिकार बना रहे हैं। एसपी ने बताया कि पार्सल बॉक्स पर उपभोक्ता का नाम, मोबाइल नंबर, पता, ई-मेल आईडी तथा अन्य आवश्यक जानकारी अंकित होती है। साइबर अपराधी इन बॉक्सों को कबाड़ या कूड़ेदान से उठाकर जानकारी एकत्र करते हैं और बाद में स्वयं को ऑनलाइन शॉपिंग कंपनी या डिलीवरी एजेंसी का प्रतिनिधि बताकर फोन करते हैं। इसके बाद कैशबैक, लॉयल्टी रिवॉर्ड, गिफ्ट वाउचर या विशेष ऑफर का लालच देकर फर्जी लिंक भेजते हैं अथवा बैंक खाते की जानकारी, कार्ड विवरण और ओटीपी मांगकर लोगों के साथ साइबर ठगी करते हैं। कई मामलों में मोबाइल में मैलवेयर इंस्टॉल करवाकर बैंक खाते से रकम भी निकाली जा सकती है।

एसपी ने कहा कि पार्सल बॉक्स फेंकने से पहले उस पर लगे शिपिंग लेबल को फाड़ दें, काट दें या पूरी तरह नष्ट कर दें। शिपिंग लेबल पर लिखी व्यक्तिगत जानकारी किसी के साथ साझा न करें। कैशबैक, रिवॉर्ड या गिफ्ट के नाम पर भेजे गए किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें। किसी भी व्यक्ति के कहने पर बैंक खाते की जानकारी, एटीएम/डेबिट कार्ड विवरण, सीवीवी या ओटीपी साझा न करें। यदि कोई स्वयं को ऑनलाइन शॉपिंग कंपनी का कर्मचारी बताकर जानकारी मांगे तो पहले उसकी आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल ऐप के माध्यम से सत्यापन करें। मोबाइल में किसी भी अज्ञात लिंक या एप्लीकेशन को डाउनलोड करने से बचें और संदिग्ध कॉल आने पर तुरंत कॉल काट दें। यदि कोई व्यक्ति इस प्रकार की साइबर ठगी का शिकार हो जाता है तो वह तुरंत नजदीकी थाना या फतेहाबाद साइबर सेल से संपर्क करे अथवा राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज करवाए।

एसपी ने कहा : शिपिंग लेबल से नाम, पता व मोबाइल नंबर हासिल कर साइबर अपराधी कर रहे ठगी के नया तरीका का इस्तेमाल

फतेहाबाद। कार्यक्रम को संबोधित करते दुड़ाराम।

चेयरमैन राजपाल बेनीवाल ने किया श्रमदान

फतेहाबाद। 'स्वच्छता ही स्वागत' अभियान के तहत रविवार को भट्टू मंडी में आयोजित विशेष स्वच्छता अभियान में हरियाणा किसान कल्याण प्राधिकरण के चेयरमैन राजपाल बेनीवाल ने स्वयं श्रमदान कर लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया। उन्होंने नागरिकों से अपने गांव, वार्ड और शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजपाल बेनीवाल ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, बल्कि जनभागीदारी से संभव है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करे। अभियान के दौरान भाजपा भट्टू मंडल अध्यक्ष जसवंत माचरा, पंचायत समिति के वाइस चेयरमैन बंसीलाल भिगासरा, मार्केट कमेटी चेयरमैन प्रदीप मांडन, मार्केटिंग सोसायटी चेयरमैन राकेश भांभू, सीएम विंडो के एमिनेंट पर्सन सतबीर मेहुवाला, संजय इंदौरा, जयसिंह बेनीवाल सुलीखेड़ा, राजेंद्र सरबटा, सोनू चालिया, सुभाष चंद्र, रामकुमार बेनीवाल सुलीखेड़ा, योगेश कुमार, राज माचरा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित लोगों ने श्रमदान कर स्वच्छता अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

31.33 ग्राम चिट्टा सहित दो आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। सीआईए रतिया पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए टिब्बा कॉलोनी क्षेत्र में नाकाबंदी के दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों को 31.33 ग्राम चिट्टे सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही हीरो स्प्लेंडर प्लस बाइक को भी कब्जे में ले लिया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान अरोड़ा कॉलोनी, वार्ड नंबर-12, रतिया निवासी मनिंदर सिंह उर्फ मणी और सतनाम सिंह के रूप में हुई है। सीआईए रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि एएसआई राजेश कुमार के नेतृत्व में एक पुलिस टीम गश्त और नशा विरोधी चेकिंग के सिलसिले में टिब्बा कॉलोनी क्षेत्र में तैनात थी। इसी दौरान सामने से एक बाइक पर आ रहे दो युवक पुलिस की मौजूदगी देखकर अचानक घबरा गए।

आगमन से नगर का वातावरण श्रद्धा, संयम और आध्यात्मिक उल्लास से हुआ सराबोर

रानियां में जैन साध्वी मंडल का मंगल प्रवेश

चातुर्मास आत्मशुद्धि, तप, संयम और आध्यात्मिक साधना का श्रेष्ठ अवसर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रानियां

जैन साध्वियों का चातुर्मास के लिए रविवार को रानियां स्थित एसएस जैन सभा में मंगल प्रवेश हुआ। साध्वी मंडल के आगमन से नगर का वातावरण श्रद्धा, संयम और आध्यात्मिक उल्लास से सराबोर हो गया।

प्रवचन सूर्या विजेता जी महाराज ने कहा कि जैन साध्वीगण चातुर्मास के दौरान एक स्थान पर निवास कर जिनशासन की प्रभावना, धर्म प्रचार तथा समाज को सदाचार और संयम का संदेश देती हैं। वहीं जप साधिका दीपिका जी महाराज ने शास्त्र वाचन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मधुर भजनों की प्रस्तुति से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

चातुर्मास आत्मशुद्धि का श्रेष्ठ अवसर

जैन सभा में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए महासाध्वी संयम निधि वृष्टि जी महाराज ने कहा कि चातुर्मास आत्मशुद्धि, तप, संयम और आध्यात्मिक साधना का श्रेष्ठ अवसर है। उन्होंने कहा कि इन चार महीनों में प्रत्येक व्यक्ति को तपस्या, स्वाध्याय और भगवान महावीर स्वामी के उपदेशों का श्रवण कर अपने जीवन को सार्थक बनाने का प्रयास करना चाहिए।

साध्वी मंडल ने मंगल वाणी प्रदान की

कार्यक्रम के अंत में साध्वी मंडल ने मंगल वाणी प्रदान कर सभी श्रद्धालुओं के सुख, शांति और आध्यात्मिक उन्नति की कामना की। श्रद्धालुओं ने भी मंगल भजनों एवं अपने विचारों के माध्यम से साध्वी मंडल का स्वागत किया। नरेश जैन ने बताया कि रानियां में चातुर्मास का शुभारंभ आगामी 29 जुलाई से होगा, जिसके अंतर्गत विभिन्न धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

रानियां। जप साधिका दीपिका महाराज का स्वागत करते श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

धूमधाम से स्वागत किया

अधिवक्ता नरेश जैन ने बताया कि साध्वी मंडल दो दिन पूर्व श्रावक अनिल जैन एडवोकेट के निवास पर विराजमान था। सुबह यहां पदविहार प्रारंभ हुआ, जो नगर के मुख्य बाजारों से होते हुए एसएस जैन सभा पहुंचा। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने मंगल वंदना के साथ साध्वी मंडल का भावपूर्ण स्वागत किया। महिलाओं एवं बालिकाओं ने सिर पर कलश धारण कर स्वागत गीत प्रस्तुत किए, जिससे पूरा नगर भक्ति और उत्साह के रंग में रंग गया।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर जगरूप लाल जैन, राजकुमार जैन, रविंद्र जैन, राकेश जैन (सरदूलगढ़), मोहन लाल जैन (गंगानगर), विनोद जैन कुमार, मोहन जैन, इन्द्रजीत जैन, सुरेन्द्र जैन, अनिल जैन एडवोकेट, बंटी जैन, मुकेश जैन, योगेश जैन, बहादर जैन, घंटी जैन, साहिल जैन, सोमप्रकाश, कुशल जैन, हिमांश जैन, यशपाल जैन, मुलख राज, स्वर्ण सिंह जज, दीदार सिंह, मुकेश बांसल सहित फतेहाबाद, टोहाना एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

हेरोइन बरामदगी मामले में वांछित सप्लायर दबोचा

सिरसा। बडागुढ़ा थाना पुलिस ने हेरोइन बरामदगी मामले में वांछित सप्लायर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को गांव किरारकोट क्षेत्र से काबू कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि बरामद हैरोइन पवन निवासी गांव किरारकोट, जिला सिरसा से खरीदकर लाया था। पुलिस जांच में जुटी हुई है।

सिरसा। पिस्टल चोरी का आरोपी।

पिस्टल चुराने का आरोपी हथियार सहित पकड़ा

सिरसा। पुलिस ने लाइसेंसी पिस्टल चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए आरोपी को गांव बप्पां क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से चोरीशुदा पिस्टल भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गांव किराडकोट निवासी एक व्यक्ति की कार से लाइसेंसी 32 बोर का पिस्टल चोरी की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी सुमित कुमार को गांव बप्पां क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया।

फतेहाबाद। ग्राहकों को बाइक की चाबी देते ट्रेफिक थाना प्रभारी जयसिंह।

हेड इंजरी से बचने के लिए हेलमेट जरूर लगाएं

फतेहाबाद। जिस तरह चारपहिया वाहन पर हम सीट बेल्ट लगाकर दुघर्टना के समय सुरक्षित हो जाते हैं ठीक उसी तरह दोपहिया वाहन पर हेल्मेट लगाने से भी हम सुरक्षित हो जाते हैं और दुघर्टना होने पर हेड इंजरी में बचाव होता है। यह बात ट्रेफिक थाना प्रभारी जयसिंह ने कही। वो शक्ति टीवीएस द्वारा आयोजित ग्रांड कस्टमर मीट में नए दोपहिया वाहनों की डिलीवरी लेने आए ग्राहकों को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

सिहाग बनीं जेजेपी महिला विंग की प्रदेश महासचिव

सिरसा। जननायक जनता पार्टी ने महिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए शारदा सिहाग को महिला विंग का प्रदेश महासचिव नियुक्त किया है। पार्टी प्रवक्ता अमर सिंह ज्याणी ने बताया कि इसी प्रकार सिरसा से अमरजीत पन्नु को सिरसा हलकाध्यक्ष, पूजा महला को रानियां, सुनीता रानी को ऐलनाबाद, जसवीर कौर को कालांवाली एवं शकिला बिश्रोई को डबवाली हलका की कमान सौंपी गई है।

श्री दुर्गा मंदिर में मासिक भंडारा कल

ओढां। श्री दुर्गा अष्टमी के अवसर पर पुरानी अनाज मंडी में स्थित श्री दुर्गा मंदिर ओढ़ां में श्री दुर्गा सेवा मंडल की ओर से मंगलवार को मासिक भंडारा आयोजित किया जाएगा। मंदिर के पुजारी देव शर्मा ने बताया कि 21 जुलाई को शाम सात बजे कंजक पूजन के साथ ही भंडारा शुरू हो जाएगा।

नशे के खिलाफ अभियान तेज, छात्राओं को किया जागरूक

जाखल में ग्रामीणों के इनपुट पर पुलिस अलर्ट, ड्रग तस्करों की घेराबंदी हुई तेज

- गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक कर रही टीमें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद को पूरी तरह नशामुक्त बनाने के संकल्प के साथ जिला पुलिस का ऑपरेशन जीवन ज्योति जारी है।इस अभियान के तहत पुलिस की टीमें न केवल शैक्षणिक संस्थानों में जाकर युवा पीढ़ी को जागरूक कर रही हैं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर नशा पीड़ितों का इलाज और काउंसलिंग सुनिश्चित करा रही हैं। इसी कड़ी में रविवार को पुलिस टीमों ने रतिया और टोहाना मंडल के जाखल क्षेत्र में व्यापक अभियान चलाया, जिसके तहत कई पीड़ितों को अस्पताल में भर्ती कराया गया और संदिग्ध तस्करों के खिलाफ खुफिया इनपुट जुटाए गए।

अभियान के तहत एसआई सुंदर के नेतृत्व में नशा मुक्ति टीम ने राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रतिया में जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया। इस दौरान छात्राओं को नशे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया गया। छात्राओं से अपील की गई कि वे खुद भी इससे दूर रहें और अपने परिवार व समाज को जागरूक करें। इसके बाद टीम ने रतिया क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए चार नए नशा पीड़ितों की पहचान की, जिनमें से गंभीर स्थिति वाले एक पीड़ित को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रतिया में दाखिल कराया गया। अन्य को काउंसलिंग के बाद आयुर्वेदिक व होम्योपैथिक दवाएं दी गई। इसके अलावा, पहले से उपचाराधीन 7 अन्य नशा पीड़ितों को भी सीएचसी रतिया से जरूरी दवाइयां दिलवाकर नियमित इलाज की सलाह दी गई।

फतेहाबाद। लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करते नशामुक्ति टीम इंचार्ज एसआई सुंदर। फोटो : हरिभूमि

पहचान गुप्त रहेगी, पुलिस को दें सूचना

फतेहाबाद पुलिस ने आमजन से पुरजोर अपील की है कि यदि उनके आसपास कोई भी व्यक्ति नशे की लत से ग्रसित है या कोई अवैध रूप से नशा बेचने का काला कारोबार कर रहा है, तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें। सूचना देने वाले का नाम पूरी तरह गुप्त रखा जाएगा, ताकि मिलकर एक नशामुक्त और सुरक्षित समाज का निर्माण किया जा सके।

ग्रामीणों ने पुलिस को सौंपे संदिग्ध लोगों के नाम

दूसरी ओर, टोहाना मंडल में सहायक उपनिरीक्षक सज्जन कुमार के नेतृत्व में टीम ने जाखल थाना क्षेत्र के गांव म्योंद कला और म्योंद खुर्द का दौरा किया। टीम ने वहां पुराने नशा पीड़ितों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य का फीडबैक लिया, जिसमें काफी सकारात्मक सुधार देखने को मिला। दौरे के दौरान टीम ने ग्रामीणों के साथ बैठक कर नशा तस्करों के नेटवर्क पर चर्चा की। ग्रामीणों ने पुलिस की हालिया कार्रवाई की सराहना करते हुए बताया कि दो तस्करों की गिरफ्तारी से गांव में राहत है। इस दौरान ग्रामीणों ने कुछ संदिग्धों के नाम भी उजागर किए, जिनकी सूची तुरंत संबंधित पुलिस चौकी प्रभारी को सौंपकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

नशा व्यक्ति, परिवार और समाज के लिए घातक : यतिंद्र सिंह

भांगड़ा दी बीट, ड्रग फ्री स्ट्रीट कार्यक्रम से युवाओं को नशे के खिलाफ किया जागरूक

सिरसा। नशामुक्त भारत अभियान के तहत रविवार को शहीद भगत सिंह स्टेडियम में भांगड़ा दी बीट, ड्रग फ्री स्ट्रीट थीम पर जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं आमजन को नशे के दुष्प्रभावों पर जागरूक करना तथा उन्हें स्वस्थ एवं नशामुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में काफी संख्या में युवाओं, विद्यार्थियों, विभिन्न विभागों के अधिकारियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों एवं शहरवासियों ने भाग लेकर नशामुक्त समाज बनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम को संबोधित भाजपा जिलाध्यक्ष यतिंद्र सिंह एडवोकेट ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है। युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति है और उन्हें नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर शिक्षा, खेल और सकारात्मक गतिविधियों में अपनी ऊर्जा लगानी चाहिए। उन्होंने कहा कि नशामुक्त भारत अभियान तभी सफल होगा, जब प्रत्येक नागरिक इसे अपनी जिम्मेदारी समझते हुए जनजागरूकता में सक्रिय भागीदारी निभाएगा। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने मित्रों व परिवार के लोगों को भी इसके दुष्प्रभावों पर जागरूक करें। उन्होंने कहा कि समाज, अभिभावकों, शिक्षकों और प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से ही नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है। सभी को मिलकर इस जनअभियान को जन-जन तक पहुंचाना होगा। सीएमजीजीए पुरु रोहिल्ला ने कहा कि नशे के खिलाफ जनभागीदारी सबसे प्रभावी हथियार है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने आसपास के लोगों को भी इसके दुष्प्रभावों पर जागरूक करें, ताकि समाज को नशामुक्त बनाने के लक्ष्य को साकार किया जा सके। जिला समाज कल्याण अधिकारी एवं सदस्य सचिव, नशामुक्त भारत अभियान सत्यवान ढिलोड़ ने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल जागरूकता फैलाना नहीं, बल्कि युवाओं में सकारात्मक सोच विकसित कर उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि संगीत, सांस्कृतिक गतिविधियों और जनसहभागिता के माध्यम से नशे के खिलाफ संदेश दिया।

सिरसा। मुख्यमंत्री वर्चुअल माध्यम से मेहनाखेड़ा की स्कूल प्रबंधन समिति के साथ चर्चा करते। फोटो : हरिभूमि

मुख्यमंत्री सैनी ने एसएमसी से किया वर्चुअल संवाद

राजकीय स्कूल मेहनाखेड़ा में कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मेहनाखेड़ा की स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) के साथ वर्चुअल माध्यम से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों, विकास कार्यों तथा भविष्य की योजनाओं की जानकारी ली और स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यों से विद्यालय के सर्वांगीण विकास पर बातचीत की।

इस अवसर पर एडीसी अर्पित संगल, सीएमजीजीए पुरु रोहिल्ला, डीपीसी सिरसा, बीईओ ऐलनाबाद, एपीसी सिरसा, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मेहनाखेड़ा एवं राजकीय प्राथमिक विद्यालय मेहनाखेड़ा की स्कूल प्रबंधन समितियों के सदस्य सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। वर्चुअल संवाद के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी एवं शिक्षामंत्री महीपाल ढांडा ने विद्यालय के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इस दौरान सभी एसएमसी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विद्यालय के विकास के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष फुटेला ने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मेहनाखेड़ा के प्राचार्य महेंद्र मेहता से भी विद्यालय की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने सुपर-100 कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी, जिसके अंतर्गत विद्यालय के दो विद्यार्थियों का चयन हुआ है। एक छात्रा ने गत वर्ष राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता में हरियाणा का प्रतिनिधित्व कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित करने की मांग

इस अवसर पर ग्राम पंचायत मेहनाखेड़ा ने मुख्यमंत्री के समक्ष विद्यालय में सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित करवाने, सफाई कर्मचारी की नियुक्ति तथा विद्यालय से सटी ग्राम पंचायत की दो एकड़ भूमि के चारों ओर चारदीवारी निर्माण की मांग रखी। गौरतलब है कि सिरसा जिले की कुल 833 स्कूल प्रबंधन समितियों ने इस ऑनलाइन संवाद में भाग लिया।

पॉक्सो व साइबर क्राइम से बचाव पर किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

बाल कल्याण समिति सिरसा द्वारा ऐलनाबाद ब्लॉक के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कर्मशाना, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मिठनपुरा तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मेहनाखेड़ा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

समिति के अध्यक्ष डॉ. मदनलाल तथा सदस्यों अनिल कुमार, भावना शर्मा और निधि मेहता ने कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों को बाल विवाह, पॉक्सो अधिनियम, मोबाइल फोन के दुरुपयोग, सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव, साइबर अपराधों से बचाव और नशे के शारीरिक, मानसिक व सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विद्यार्थियों को कानून संबंधी अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न विषयों पर किए गए सवालों का सदस्यों ने सरल और व्यावहारिक उदाहरणों के साथ उत्तर दिया। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की जीवनोपयोगी जानकारी उनके लिए बेहद उपयोगी है और वे इसे अपने दैनिक जीवन के साथ-साथ परिवार एवं समाज तक भी पहुंचाएंगे।

संसद घेराव को लेकर किया जागरूक

- पूर्व अध्यक्ष कृष्णा फौगाट ने जनसंपर्क अभियान चलाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

जिला महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष कृष्णा फौगाट ने कहा कि भाजपा की महिलाओं को राजनीतिक रूप से सशक्त करने की झूठी घोषणाओं की पोल पूरी तरह खुल चुकी है क्योंकि वह महिलाओं को संसद में 33 फीसदी आरक्षण देने का अपना वायदा पूरा नहीं कर सकी है जिससे देशभर की महिलाओं में भाजपा के प्रति आक्रोश है। कृष्णा फौगाट रविवार को जिले के गांव बप्पां में आगामी 21 जुलाई को दिल्ली में होने वाले संसद घेराव के लिए महिलाओं को जागरूक कर उन्हें संसद घेराव कार्यक्रम के लिए आमंत्रित कर रही थी। कांग्रेस नेत्री कृष्णा फौगाट ने कहा कि कांग्रेस ही सही मायने में महिलाओं की राजनीतिक सशक्तिकरण की पक्षधर है और इसी उद्देश्य से पिछले लंबे समय से देशभर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम कार्ड पर हस्ताक्षर अभियान चलाकर उन्हें महिलाओं को संसद में 33 फीसदी आरक्षण देने की मांग का अभियान चलाए हुए है। कृष्णा फौगाट ने कहा कि केंद्र सरकार की उदासीनता के खिलाफ ही अब अखिल भारतीय महिला कांग्रेस ने बड़े संघर्ष का ऐलान करते हुए 21 जुलाई को दिल्ली स्थित जंतर मंतर पर एकत्रित होंगे।

सिरसा। संसद घेराव को लेकर कृष्णा फौगाट महिलाओं को जागरूक करते हुए।

दिव्यांगजन सशक्तिकरण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले होंगे सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा व्यक्तिगत उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार-2026 के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस पुरस्कार योजना का उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम (2016) के तहत दिव्यांग व्यक्तियों और किसी भी दिव्यांगता से पीड़ित व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए काम करने वाले नागरिकों के कार्य को मान्यता देना और प्रोत्साहित करना है। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 की अनुसूची में निर्दिष्ट श्रेणी में 40 प्रतिशत या उससे अधिक बेंचमार्क दिव्यांगता वाला कोई भी व्यक्ति स्वयं को नामांकित कर सकता है या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा विभिन्न पुरस्कारों की किसी भी एक श्रेणी के लिए नामांकित कर सकता है। इच्छुक नागरिक 31 जुलाई तक राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं तथा पुरस्कार से जुड़ी विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि आवेदन सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन श्रेणी पुरस्कार के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। इसी तरह श्रेष्ठ दिव्यांगजन कैटेगरी पुरस्कार के लिए भी 18 वर्ष से अधिक आयु होनी चाहिए। वहीं श्रेष्ठ सृजनशील दिव्यांग बाल-बालिका वर्ग के लिए 18 वर्ष की आयु तक के दिव्यांग बच्चे आवेदन कर सकते हैं।

सत्ता में भागीदारी जरूरी : बुवानीवाला

- संगठन मजबूत होगा तो निर्णय प्रक्रिया में भी बढ़ेगी समाज की भागीदारी : अशोक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

अग्रवाल वैश्य समाज की राजनीतिक भागीदारी को सशक्त बनाने, संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने तथा युवा एवं महिला नेतृत्व को आगे लाने के उद्देश्य से रविवार को अग्रवाल सेवा सदन में संगठन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। समाज के प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने कहा कि राजनीतिक सम्मान किसी समाज को उपहार में नहीं मिलता, बल्कि मजबूत संगठन, सामाजिक एकजुटता और निरंतर जनसंपर्क के बल पर अर्जित किया जाता है। उन्होंने कहा कि जो समाज स्वयं को संगठित नहीं कर पाता, उसकी संख्या और आर्थिक शक्ति भी उसे अपेक्षित राजनीतिक प्रभाव नहीं दिला पाती। अशोक बुवानीवाला ने कहा कि समय बदल चुका है और अब वैश्य समाज राजनीतिक दलों को केवल सहयोग देने तक सीमित नहीं, बल्कि नीति निर्माण और जनप्रतिनिधित्व में अपनी प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि अग्रवाल वैश्य समाज वर्षों से उद्योग, व्यापार, शिक्षा और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देता आया है, लेकिन सत्ता व निर्णय में भागीदारी जरूरी हो चुकी है।

सिरसा। कार्यक्रम में उपस्थित प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला व अन्य।

22 जुलाई को मनाया जाएगा मंदिर का स्थापना दिवस

सिरसा। कंगनपुर रोड स्थित श्री गणेश रघुनाथ मंदिर का 25वां वार्षिक स्थापना दिवस 22 जुलाई को मनाया जाएगा। स्थापना दिवस को लेकर मंदिर कमेटी की ओर से तैयारियां आरंभ की जा चुकी हैं। श्री गणेश धर्मार्थ न्यास द्वारा संचालित मंदिर के स्थापना दिवस पर प्रातः 8 बजे हवन होगा। उसके बाद 10 बजे से भंडारा आरंभ होगा। न्यास के संस्थापक वैद्य महावीर प्रसाद ने बताया कि स्थापना दिवस पर हर साल मंदिर में धार्मिक कार्यक्रम होते हैं। उसी कड़ी में इस बार भी 22 जुलाई को अनेक कार्यक्रम होंगे। वैदिक हवन, विशेष पूजन एवं आरती, भजन एवं धार्मिक कार्यक्रम होंगे।

इनेलो का भरोसा विकास में: चौटाला

- पूर्व उपप्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल जयंती कार्यक्रम का न्योता दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

जिला परिषद सिरसा के चेयरमैन कर्ण चौटाला ने कहा कि इनेलो का भरोसा केवल विकास में है और इसी वजह से जिला परिषद के माध्यम से जिले के अनेकानेक गांवों में अब तक ग्रामीणों के हितों में करोड़ों की ग्रांट देकर विकास कार्य करवाए गए हैं। कर्ण चौटाला रविवार को जनसंपर्क अभियान के दौरान गांव बेगू, कंगनपुर, बाजेकां, कंवरपुरा, कुसुंबी, जोधकां, कुक्कड़थाना, मोचीवाला, डिंग, गदली, शेरपुरा, ताजिया व फूलकां में आयोजित ग्रामीण जनसभाओं को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने गांव शेरपुरा में ग्रामीणों के हितों को समर्पित करीब 60 लाख रुपए की कीमत से बनी आईपीबी गली का उद्घाटन भी किया। साथ ही उपरोक्त गांवों में ग्रामीणों की मांग पर अनुमानित 7 करोड़ रुपए की कीमत से पक्की गलियां बनाने, शैड, शमशान घाट की चारदीवारी व पीने के पानी आदि की उचित व्यवस्था करने की मांग पर शीघ्र ही उन्हें पूरा करवाने का भरोसा दिलाया। उन्होंने ग्रामीणों से देश के पूर्व उपप्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल की मेवात में आगामी 27 सितंबर को होने वाली जयंती पर ज्यादा से ज्यादा संख्या में शामिल होने का न्यौता दिया।

सिरसा। गांव शेरपुरा में नवनिर्मित गली का उद्घाटन करते कर्ण चौटाला।

57वां राष्ट्रीयकरण बैंक दिवस आयोजित

सिरसा। ऑल इंडिया पंजाब नेशनल बैंक एसोसिएशन सिरसा ने 57वें बैंक राष्ट्रीयकरण दिवस कार्यक्रम आयोजित किया। प्रधान डीआर खुराना ने बताया कि 19 जुलाई, 1969 के ऐतिहासिक और यादगार दिन पर देश के 14 प्रमुख वाणिज्यिक निजी बैंकों के पहले राष्ट्रीयकरण के चरण और उसके बाद 15 अप्रैल, 1980 को 6 बड़े निजी बैंकों के राष्ट्रीयकरण के बाद, पीएसबी ने भारत के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे हमारा देश दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया और वित्तीय समावेशन का मुख्य निर्माता भी रहा। उन्होंने कहा कि पीएसबी बुनियादी बैंकिंग सेवाओं को आम लोगों के दरवाजे तक पहुंचाने में, भारत के हर कोने और अत्यधिक कठिन और अति दुर्गम क्षेत्रों में भी पहुंचाने में सफल रहा, जिस पर सभी रिटायरिज को बहुत गर्व और सम्मान महसूस होता है। उन्होंने कहा कि बैंकों के राष्ट्रीयकरण से ग्रामीणों के भाग्य ही बदल गए। राष्ट्रीय स्तर पर विकास के समान अवसर उपलब्ध होने से राष्ट्रीय एकता में बहुत मदद हुई।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 9253681005

पौधरोपण हरा-भरा सिरसा 2.0 अभियान के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पहल

मैसिव प्लांटेशन ड्राइव : हर्बल पार्क में लगाई रुद्राक्ष वाटिका

- लि एवं सत्र न्यायाधीश पुनीश जिंदिया ने किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में चल रहे मैसिव प्लांटेशन ड्राइव तथा हरा-भरा सिरसा 2.0 अभियान के अंतर्गत वन विभाग के सहयोग से गांव फूलकां स्थित हर्बल पार्क में रुद्राक्ष वाटिका की स्थापना की गई। इस अवसर पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष पुनीश जिंदिया तथा मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव संतोष बागोतिया ने रुद्राक्ष के पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में वन विभाग के अधिकारी हरि पाल भी उपस्थित रहे।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश पुनीश जिंदिया ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और पारिस्थितिक तंत्र के संतुलन को बनाए रखने के उद्देश्य से चलाए जा रहे इस अभियान का प्रमुख लक्ष्य अधिक से अधिक पौधे लगाना ही नहीं, बल्कि उनकी नियमित देखभाल सुनिश्चित करना भी है। उन्होंने कहा कि वृक्ष मानव जीवन के आधार हैं। ये न केवल जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं और वायु प्रदूषण को कम करने में सहायक होते हैं, बल्कि भू-जल स्तर को बनाए रखने, मिट्टी के कटाव को रोकने तथा ग्लोबल वार्मिंग जैसी गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सिरसा। गांव फूलकां के हर्बल पार्क में रुद्राक्ष का पौधा रोपित करते सेशन जज पुनीश जिंदिया व अन्य। फोटो : हरिभूमि

पर्यावरण संरक्षण के लिए एकजुट हों

उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी देखभाल का संकल्प ले। सामूहिक प्रयासों से ही पर्यावरण संरक्षण का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं हरित वातावरण सुनिश्चित किया जा सकता है। इस मौके पर अधिकारी भी मौजूद रहे।

पद्म पुरस्कारों के लिए 31 तक आवदेन करें

सिरसा। सरकार द्वारा पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री सहित प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन आमंत्रित किए हैं। सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शुमार इन पुरस्कारों की घोषणा 26 जनवरी, 2027 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाएगी। केवल ऑनलाइन के माध्यम से भेजे गए नामांकन या अनुशंसा ही स्वीकार की जाएंगी और नामांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई है। निर्धारित समय-सीमा के बाद प्राप्त किसी भी नामांकन या सिफारिश पर विचार नहीं किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री, को देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार माना जाता है। वर्ष 1954 में शुरू हुए इन पुरस्कारों की घोषणा हर साल गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। इन पुरस्कारों का उद्देश्य विशिष्ट कार्य को सम्मानित करना है।